सांध्य दैनिक 4PM

स्वास्थ्य संबंधी किताबों को पढ़ने में सावधानी बरतिए। एक मुद्रणदोष की वजह से आपकी मौत हो सकती है।
–मार्क ट्वैन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 236 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 6 अक्टूबर, 2022

बारिश का दौर जारी, कल भी... 8 | विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की... 3 | आपको नहीं दिख रहा भाजपा... 7

कांग्रेस अध्यक्ष पद पर मचे घमासान के बीच भारत जोड़ो यात्रा पर सोनिया

कर्नाटक के मांड्या जिले से शुरू की पदयात्रा, राज्य के कांग्रेसी नेता उत्साहित

» लंबे समय बाद सियासी कार्यक्रम में की शिरकत, 17 अक्टूबर को होना है अध्यक्ष पद का चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर मचे घमासान के बीच पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आज राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा में शिरकत की। उन्होंने लंबे समय बाद किसी सियासी कार्यक्रम में शिरकत की है। यात्रा के दौरान उनके साथ राहुल गांधी मौजूद रहे।

सोनिया गांधी कांग्रेस की पदयात्रा में ऐसे वक्त पर शामिल हुई हैं जब पार्टी में अध्यक्ष पद को लेकर घमासान मचा है। कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव 17 अक्टूबर को होना है। लंबे समय बाद सोनिया किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुई हैं। स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने पिछले कुछ चुनावों में प्रचार भी नहीं किया था। भारत जोड़ो यात्रा के शुरुआत के समय सोनिया गांधी विदेश में अपना इलाज करवा रही थीं। उस समय उनकी मां का भी निधन हो गया था। सोनिया के साथ प्रियंका और राहुल भी इटली गए थे। सोनिया कुछ दिनों पहले ही भारत लौटी हैं। सोनिया ने आज कर्नाटक के मांड्या जिले के डाक बंगला इलाके से पदयात्रा आरंभ की।

राहुल ने बांधे मां के जूतों के फीते

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी कर्नाटक में आज भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी कभी अपनी मां के कंधे पर हाथ रखे नजर आए तो कभी उन्होंने मां के जूतों के फीते खुलने के बाद उन्हें बांधा। सोनिया के जूतों के फीते बांधने वाली फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। लोग राहुल गांधी की तारीफ भी कर रहे हैं। शशि थरूर ने भी इस फोटो को शेयर किया। उन्होंने लिखा, मां तो मां होती है, उनका कोई तोड़ नहीं होता। वो सांस भी लेती है तो उनमें भी दुआएं होती हैं मांओं का तोड़ नही होता, माएं तो माएं होती हैं।

मनाया दशहरा

सोनिया गांधी चार सितंबर को कर्नाटक पहुंची थीं। उन्होंने दशहरा पर एचडी कोट विधान सभा के बेगुर गांव में भीमनाकोली मंदिर में पूजा-अर्चना की। इससे पहले बुधवार को सोनिया गांधी ने अपने बेटे राहुल गांधी के साथ दशहरा मनाया। सोनिया मैसूर जिले के एचडी कोटे तालुक में काबिनी बांध के बैकवाटर के पास एक रिसॉर्ट में रूकी थीं। यहां राहुल गांधी दशहरा के ब्रेक पर उनसे मिलने गए थे। इसके बाद राहुल गांधी और सोनिया गांधी काबिनी फॉरेस्ट सफारी भी गए थे।

वह पहली बार भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं। सोनिया का कर्नाटक विधान सभा चुनाव से कुछ महीने पहले मांड्या में पदयात्रा करना इस मायने में अहम है कि यह देवेगौड़ा परिवार के दबदबे वाला क्षेत्र है। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण है कि सोनिया गांधी इस यात्रा में शामिल हुई हैं। इससे पार्टी कर्नाटक में और मजबूत होगी। गौरतलब है कि राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने सात सितंबर को कन्याकुमारी से यात्रा की शुरुआत की थी। यात्रा का समापन कश्मीर में होगा। कांग्रेस का मानना है कि यह यात्रा पार्टी के लिए संजीवनी का काम करेगी। वहीं इसी बीच कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव होना है। चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर के बीच मुकाबला हो सकता है।

गुजरात में भाजपा की सक्रियता पर बोले केजरीवाल, बाप रे, इतना डर!

» आम आदमी नाराज है सत्तारूढ़ भाजपा से

» आप गुजरात में सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भले ही निर्वाचन आयोग ने अभी गुजरात विधान सभा चुनाव 2022 को लेकर मतदान की तारीखों का ऐलान नहीं किया हो लेकिन यहां सत्तारूढ़ भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सियासी संग्राम तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज फिर भाजपा पर हमला किया है।

अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर भाजपा पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने ट्वीट किया, खबर है कि गुजरात के हर जिले में भाजपा एक-एक केंद्रीय मंत्री या किसी मुख्यमंत्री की ड्यूटी लगा रही है। बाप रे! इतना डर? इसी ट्वीट में उन्होंने आगे लिखा है, ये डर आम आदमी पार्टी का नहीं है। ये डर गुजरात के लोगों का है जो भाजपा से बहुत नाराज हैं और अब तेजी से आम आदमी पार्टी का दामन थाम रहे हैं। दिल्ली और पंजाब में सरकार चला रही आप इस बार गुजरात में सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पहली बार गुजरात में इतने दमखम से उतरी केजरीवाल की पार्टी ने कई सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान भी कर दिया है। केजरीवाल खुद भी लगातार गुजरात के दौरे कर रहे हैं। उनका दावा है कि इस बार गुजरात का चुनाव भाजपा बनाम आप होने जा रहा है।

मुलायम सिंह यादव की सेहत में हो रहा सुधार

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दी जानकारी

» गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में हैं भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की सेहत से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बताया कि नेताजी की तबियत में सुधार है, पहले के मुकाबले सेहत में अब सुधार है। अखिलेश यादव ने समर्थकों से आग्रह किया है कि अस्पताल में समर्थक भीड़ न लगाएं। इससे डॉक्टरों और अन्य मरीजों को परेशानी हो रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी के लिए सभी लोग

प्रार्थना करें। सोशल मीडिया पर नेताजी के लिए दुआ करें। आवास और अस्पताल आने से समर्थक बचें। उन्होंने कहा, नेताजी के स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार हुआ है। नेताजी जल्द ठीक होकर सबके बीच होंगे। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में कई दिनों से भर्ती है। रविवार से उन्हें आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। हालांकि उनका यूरिन इंफेक्शन पहले के मुताबिक कम हुआ है। क्रिटिकल केयर यूनिट के हेड डा. यतिन मेहता की टीम इलाज में लगी हुई है। बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू यादव तथा उनके पुत्र व बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव उन्हें देखने पहुंचे थे। वहीं मुलायम सिंह के स्वास्थ्य का हालचाल जानने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल मेदांता अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने अखिलेश यादव तथा अन्य स्वजन से करीब एक घंटे तक बात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

धार्मिक भावनाएं आहत करने वाली फिल्मों का समर्थन नहीं : केशव

» रिलीज से पहले संशोधन जरूरी, बिना शोध किए नहीं बनानी चाहिए फिल्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अभिनेता प्रभास और कृति सेनन की आगामी पौराणिक फिल्म आदिपुरुष के टीजर रिलीज होने के बाद विवाद का सिलसिला लगातार जारी है। अब यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि रिलीज से पहले फिल्म के विवादित दृश्यों को ठीक कर लिया जाना चाहिए। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि मैंने अभी तक आदिपुरुष का टीजर नहीं देखा है, लेकिन किसी भी मामले में धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली फिल्मों का समर्थन नहीं किया जाना चाहिए, यह गलत है।

इसे ठीक करने और ठीक से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। मौर्य ने कहा कि यदि आप लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं, तो कोई भी इसे स्वीकार नहीं करेगा। मेरा यह भी मानना है, अगर इस तरह की फिल्म बन रही है तो इसे दर्शकों के सामने पेश करने से पहले इसे ठीक करने की जरूरत है। वहीं भाजपा प्रवक्ता मालविका अविनाश ने कहा कि मुझे इस तथ्य से दुख हुआ है कि निर्देशक ने वाल्मीकि की रामायण, कम्बा रामायण या तुलसीदास की रामायण, या रामायण की कई व्याख्याओं पर शोध किए बिना ही यह फिल्म बना दी। कम से कम वह हमारी अपनी फिल्मों पर शोध कर सकते थे। उन्होंने कहा कि बहुत सारी कन्नड़ फिल्में, तेलुगु फिल्में, तमिल फिल्में हैं, जो दिखाती हैं कि रावण कैसा दिखता था। बता दें कि रामायण महाकाव्य पर आधारित मशहूर डायरेक्टर ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष में प्रभास, कृति सेनन, सैफ अली खान और सनी सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। राउत ने यह फिल्म रामायण की कहानी को सिल्वर स्क्रीन पर लाने के सपने के साथ बनाई थी, लेकिन जब से प्रभास, सैफ अली खान और कृति सैनन-स्टारर आदिपुरुष का पहला टीजर रिलीज हुआ है, तब से नकारात्मक प्रतिक्रिया ही मिली है।

बर्दाश्त नहीं हिंदू देवी-देवताओं का अपमान : पाठक

फिल्म आदिपुरुष को लेकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा है कि हिंदू सभ्यता और भारत की संस्कृति में भगवान राम जन-जन में बसे हुए हैं। उनका अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पाठक ने सख्त लहजे में कहा कि फिल्मों के जरिये हिंदू समाज की भावनाओं पर आक्रमण किया जा रहा है। यह बिल्कुल गलत है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। डिप्टी सीएम ने हनुमान जी की वेशभूषा को लेकर भी फिल्म प्रबंधन को कठघरे में खड़ा किया। पाठक ने कहा कि लगातार हमारी संस्कृति को नष्ट करने और बदलने का प्रयास हो रहा है। हमारी संस्कृति और विरासत पर हमें गर्व है। संत समाज के आक्रोश पर ब्रजेश पाठक बोले कि संत समाज हिंदू समाज की रक्षा के लिए है। आदि काल में शंकराचार्य पीठों की स्थापना हुई। जब आक्रांताओं ने हमले किए थे, तब भी इन्हीं अखाड़ों के माध्यम से हमारी संस्कृति की रक्षा की गई थी। संत समाज ने जो कहा है उस पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देने की आवश्यकता है।

खान बंधु कर रहे भारतीय संस्कृति का अपमान : साक्षी

भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में जो खान बंधु हैं और उनमें भी कुछ सेक्युलर लोग हैं। वे फिल्मों में वास्तविकता न दिखाकर तोड़मरोड़ कर दिखाते हैं। इससे भारतीय संस्कृति का अपमान हुआ है। खान बंधुओं ने हिंदू-देवी देवताओं का मजाक उड़ाया है। ऐसे लोगों का जनता को बहिष्कार करना चाहिए। सरकार को भी ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए, ताकि वे ऐसी फिल्में न बना सकें। साक्षी महाराज ने कहा कि रावण का किरदार निभाने वाले को खिलजी के रूप में दिखाने का प्रयास किया गया है। यह बहुत ही निंदनीय है। मैं इसकी निंदा करता हूं।

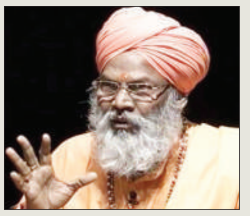

डॉ. सनोबर ने ग्रामीणों को मिशन शक्ति योजना का महत्व समझाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर के तहसील निघासन के ग्राम गंगाबेहड़ के मजरा सकटूपुरवा के उच्च प्राथमिक विद्यालय में मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राजधानी से पधारी प्रोफेसर डॉ. सनोबर हैदर ने महिलाओं को संबोधित करते हुए सरकार की मिशन शक्ति योजना के बारे में जागरूक करते हुए महिला सुरक्षा से संबंधित विधियों एवं समयबद्ध रूप से अपनी समस्याओं के संबंध में संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को बताने का महत्व समझाया।

डॉ. हैदर ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से भी जानकारी देकर महिलायें अपनी समस्याओं का समाधान करा सकती है। डॉ. हैदर ने शराब की विभीषिका के बारे में लोगों को बताया और कहा कि क्षेत्रीय नागरिकों को एकजुट होकर इस विभीषिका से निपटना होगा। उन्होंने कहा जहां पर भी कच्ची शराब बनाने की जानकारी हो तो उसकी जानकारी तुरंत क्षेत्रीय पुलिस एवं आबकारी विभाग के इंस्पेक्टरों को दी जाए। इसके अलावा डॉ. हैदर ने नेकी राम आदर्श विद्यालय ग्राम बौधियां कलां जाकर विद्यालय के छोटे-छोटे छात्रों से संबोधन कर उनका उत्साहवर्धन किया एवं स्कूल प्रबंधन को अनुग्रह राशि दी, जिससे गरीब छात्रों को यूनीफॉर्म दिलाई जा सके। इस मौके पर विद्यालय के छात्र छात्राओं ने महात्मा गांधी से जुड़े दृष्टांत एवं स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित गीत गाकर उनका स्वागत किया।

विधायक बताएंगे, कैसे बनेगी 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पहली बार महिला विधायकों के लिए विशेष सत्र की चर्चा से उत्साहित योगी सरकार अब 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था पर विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने जा रही है। इसी माह के अंत या नवंबर के पहले हफ्ते में विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। इस सत्र में केवल 10 खरब डॉलर अर्थव्यवस्था को लेकर 36 से 48 घंटे तक लगातार चर्चा होगी।

इसमें सत्ता पक्ष व विपक्ष के सभी सदस्य अपनी राय रखेंगे। किसी खास मुद्दे को लेकर यह अपनी तरह का पहला विशेष सत्र होगा। इस विशेष सत्र की वीडियो रिकॉर्डिंग और दस्तावेज देश की सभी विधानसभाओं को भेजा जाएगा। साथ ही इसे संरक्षित भी किया जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ी को भी जानकारी मिल सके। विशेष सत्र बुलाने के पीछे मंशा यह है कि देश-दुनिया को पता चले कि यूपी को 10 खरब की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सरकार की ओर से क्या कदम उठाए जा रहे हैं। सीएम योगी ने विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य को सभी सदस्यों के साथ बैठकर इसकी कार्ययोजना तैयार को कहा है। वे चाहते हैं कि चर्चा उसी तरह से हो जैसे गांधी जयंती पर 2 अक्तूबर 2019 को विशेष सत्र में हुई थी।

क्षेत्र में हो रहे विकास से अवगत कराएं विधायक

सीएम की मंशा है कि विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों के बारे में सदन को अवगत कराएं क्योंकि यह भी प्रदेश को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का एक जरिया है। उनका कहना है कि अगर किसी क्षेत्र में शिक्षा संस्थान का निर्माण चाहे सरकारी या निजी क्षेत्र द्वारा कराया जा रहा हो, वह भी अर्थव्यवस्था को बल देता है। निवेश का जरिया बनता है। सरकार चाहती है कि खासकर सत्ताधारी और उसके सहयोगी दल के सदस्य इस पर ज्यादा से ज्यादा अपनी बात रखें ताकि पता चल सके कि एक संस्थान के निर्माण से वहां की अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ा है।

कांग्रेस यूपी में अपने पुनर्गठन में लगी

» बृजलाल खाबरी आठ को संभालेंगे पदभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी उत्तर प्रदेश में पार्टी के बड़े पुनर्गठन में लगी है। पार्टी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में एक नया प्रदेश अध्यक्ष के साथ छह प्रांतीय अध्यक्ष को नियुक्त किया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष बृजलाल खाबरी तथा अन्य छह प्रांतीय अध्यक्ष आठ अक्टूबर को लखनऊ में अपना कार्यभार संभालेंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अब विजयदशमी के बाद नए कलेवर में दिखेगी। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के साथ छह प्रांतीय अध्यक्ष आठ को अपना कार्यभार संभालेंगे। लखनऊ के माल एवेन्यु में कांग्रेस के दफ्तर ने इनके कक्ष को तैयार किया जा रहा है। बृजलाल खाबरी के साथ ही छह प्रांतीय अध्यक्षों के नामों की घोषणा एक अक्टूबर को की गई थी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर में इन सभी के अपना पद संभालने के बाद राजनीतिक कार्यक्रम जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश में संगठन को विस्तार देने के लिए नए लोगों को भी जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी के लिए सपा को स्नातक-शिक्षक सीटों का सहारा

» पांचों सीटों के लिए घोषित किए हैं प्रत्याशी

» जीत के लिए वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतारा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी वापस पाने के लिए समाजवादी पार्टी की नजर स्नातक व शिक्षक कोटे की सीटों पर लग गई है। अगले वर्ष 12 फरवरी को तीन स्नातक व दो शिक्षक कोटे की यानी कुल पांच सीटें रिक्त हो रही हैं। इनमें से एक भी सीट जीतने पर सपा को विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष का पद वापस मिल जाएगा, इसलिए पार्टी ने इन चुनावों में अपनी ताकत झोंक दी है।

100 सीटों वाली विधान परिषद में सपा की केवल नौ सीटें हैं, जबकि नेता प्रतिपक्ष का पद पाने के लिए 10 सीटें जरूरी हैं। रिक्त होने वाली पांच सीटों में तीन भाजपा, एक शिक्षक दल व एक निर्दलीय के पास है। इन सीटों पर कब्जा जमाने के लिए पार्टी पहले ही प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक सीट से करुणाकांत मौर्य, बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक से शिव प्रताप सिंह, कानपुर खंड स्नातक से डा. कमलेश यादव, इलाहाबाद-झांसी खंड शिक्षक से डा. एसपी सिंह पटेल व कानपुर खंड शिक्षक सीट से प्रियंका मैदान में हैं। सपा जल्द ही इन सीटों के लिए चुनाव प्रभारी भी बनाने जा रही है। इनमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को लगाया जाएगा।

13 करोड़ लोग नहीं कमा पाते 150 रुपये

सपा ने अपने प्रस्ताव में कहा कि देश में अमीरों व गरीबों के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। देश में 13 करोड़ लोग ऐसे हैं जो एक दिन में 150 रुपये भी नहीं कमा पाते हैं। देश की कुल कमाई का 22 प्रतिशत हिस्सा देश के चंद अमीर अपने पास ले जा रहे हैं। नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ 13 प्रतिशत मिल रहा है। भारत की कुल आमदनी में शीर्ष 10 भारतीय परिवारों की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत है। भारत का विदेशी कर्ज बढ़कर 620.70 अरब डालर तक पहुंच गया है।

अब मतदाता बनाने का शुरू होगा काम

विधान परिषद की इन पांच सीटों के लिए मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान एक अक्टूबर से शुरू हो जाएगा। 30 दिसंबर तक सारी प्रक्रिया पूरी कर अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। एक नवंबर 2022 की अर्हता तिथि के आधार पर इसमें मतदाता बनाए जाएंगे।

सम्मेलन में लिया था संविधान व लोकतंत्र बचाने का संकल्प

समाजवादी पार्टी ने अपने 11वें राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से हटाने और संविधान व लोकतंत्र को बचाने का संकल्प लिया। 12 पेज के राजनीतिक व आर्थिक प्रस्ताव को पेश करते हुए सपा के वरिष्ठ नेता अंबिका चौधरी ने महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था सहित कई मोर्चे पर भाजपा सरकार को घेरा। कहा कि संविधान की भावना और भारत की आत्मा पर भाजपा सरकार हमले कर रही है। सरकार के संरक्षण में नफरत का जहर फैलाया जा रहा है। प्रस्ताव में कहा गया कि भाजपा सरकार लोकतंत्र के स्तंभों को कमजोर कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया अप्रभावी बना रही है। सरकार असहमति की हर आवाज दबा रही है। कोई भी सरकार से असहमति जताता है और सवाल करता है तो ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स के छापों से दमनात्मक कार्रवाई होती है। देश में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति है। सपा ने जातीय जनगणना की मांग करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय की दृष्टि से यह बेहद जरूरी है। जातियों की संख्या के आधार पर उनका हक एवं सम्मान मिलना चाहिए। विशेष अवसर के सिद्धांत के आधार पर आरक्षण व्यवस्था जारी रखने की वकालत भी की। औद्योगिक उत्पादन के निचले स्तर पर आने व परिवारों की आय घटने पर चिंता जताई। प्रदेश में शिशु मृत्युदर राष्ट्रीय औसत से अधिक होने का भी मुद्दा उठा।

यूपी में नवंबर-दिसंबर में होंगे नगरीय निकाय चुनाव, तैयारियों में जुटा निर्वाचन आयोग

» जनवरी के पहले सप्ताह तक आ सकते हैं नगरीय निकाय चुनाव के नतीजे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अबकी नवंबर-दिसंबर में नगरीय निकायों के चुनाव होंगे। पांच वर्ष पहले 2017 के अक्टूबर-नवंबर माह में चुनाव कराए गए थे। राज्य सरकार द्वारा हाल ही में कई निकायों के गठन व सीमा विस्तार के चलते चुनाव एक माह टलते दिख रहे हैं। पिछली बार 27 अक्टूबर को चुनाव की अधिसूचना जारी हुई थी और नवंबर में मतदान कराए गए थे। बता दें कि राज्य निर्वाचन आयोग को निकाय चुनाव कराने के लिए डेढ़ माह यानी 45 दिन चाहिए होते हैं।

विशेष परिस्थितियों में आयोग ने 35-36 दिनों में भी चुनाव कराए हैं। पांच वर्ष पहले 2017 में आयोग ने 27 अक्टूबर को चुनाव की अधिसूचना जारी की थी। तीन चरणों में मतदान 22, 26 व 29 नवंबर को हुआ था। मतों की गिनती एक दिसंबर को हुई थी। इस बार भी स्थिति ऐसी है कि सरकार द्वारा हाल ही में कई निकायों का गठन और सीमा विस्तार किया गया है। ऐसे में निकायों के परिसीमन का काम ही अभी खत्म नहीं हो सका है। इससे राज्य निर्वाचन आयोग मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम भी नहीं करा पा रहा है। इसके अलावा वार्डों के आरक्षण व ईवीएम से कराये जाने वाले निकाय चुनाव के लिए ईवीएम की फर्स्ट लेवल चेकिंग का काम भी अभी अधूरा है। अभी जितना काम शेष है उसे देखते हुए इस बार नवंबर अंत से पहले अधिसूचना जारी होने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। सूत्र बताते हैं कि समय कम होने से इस बार चुनाव दो चरणों में कराए जाने पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। यदि ऐसा हुआ तब भी नतीजे जनवरी के पहले सप्ताह तक आएंगे। उल्लेखनीय है कि नगरीय निकायों का कार्यकाल उसके सदन की पहली बैठक से पांच वर्ष के लिए होता है। वर्ष 2017 में चुनाव के बाद ज्यादातर निकायों की पहली बैठक जनवरी के पहले सप्ताह में हुई थीं। ऐसे में सरकार व आयोग की पूरी कोशिश है कि जनवरी के पहले हफ्ते से आगे चुनाव न बढ़े ताकि निकायों में प्रशासक की तैनाती न करनी पड़े। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने कहा कि अब केवल अंतिम चरण के नगरीय निकायों के सीमा विस्तार के कुछ प्रस्ताव शेष हैं जो आगामी कैबिनेट बैठक में रखे जाएंगे। परिसीमन का काम चल रहा है। शीघ्र ही इसे अंतिम रूप देकर राज्य निर्वाचन आयोग के पास भेज दिया जाएगा। चुनाव समय पर ही होंगे।

तीन नवंबर को विधानसभा उपचुनाव, लखीमपुर खीरी की गोला गोकर्णनाथ सीट खाली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नवंबर महीने में फिर मतदान होगा। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले की गोला गोकर्णनाथ विधानसभा सीट के साथ ही छह राज्यों की सात सीटों पर उप चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। लखीमपुर खीरी की गोला गोकर्णनाथ विधानसभा की सीट भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे अरविंद गिरि के निधन के कारण खाली हो गई है। इस सीट से पांच बार विधायक रहे अरविंद गिरि का बीते छह सितंबर को निधन हो गया था।

अबकी 762 निकायों के होंगे चुनाव

वर्ष 2017 में 652 नगरीय निकायों का चुनाव हुआ था लेकिन इस बार अब तक 762 नगरीय निकाय अस्तित्व में आ चुकी हैं। यानी पिछले चुनाव से इस बार 110 निकाय ज्यादा हैं। पिछले चुनाव में 3.32 करोड़ मतदाता थे।

उपचुनाव के कार्यक्रम

विधानसभा उप चुनाव के लिए अधिसूचना सात अक्टूबर को जारी होगी। इसके लिए नामांकन की अंतिम तिथि 14 अक्टूबर है, नामांकन पत्रों की जांच 15 अक्टूबर को होगी। नाम वापसी की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है। मतदान तीन नवंबर को प्रातः सात बजे से होगा। मतगणना छह नवंबर को की जाएगी।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कहीं गड्ढे न ले डूबे सरकार को

> “एक ओर सरकार गांव और शहरों में बेहतर सड़कें बनाने के वादे करती है दूसरी ओर शहरों की सड़कों की हालत लगातार खस्ता होती जा रही है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक की सड़कें बदहाल हैं। पुराने लखनऊ से लेकर पॉश इलाकों तक की सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। यह स्थिति तब है जब हर साल राज्य सरकार करोड़ों रुपये सड़कों की मरम्मत और निर्माण के नाम पर खर्च करती है।

सरकार के तमाम दावों और वादों के बावजूद प्रदेश के अधिकांश शहरों की सड़कों की हालत खस्ता है। इन सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। इसके कारण न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। यह हाल तब है जब यूपी सरकार ने सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का वादा और दावा किया था। सवाल यह है कि सरकार के आदेशों के बावजूद सड़कों को दुरुस्त क्यों नहीं किया जा रहा है? सरकारी निर्माण इकाइयां क्या कर रही हैं? क्या निर्माण में जारी भ्रष्टाचार के कारण सड़कों का हाल बेहाल है? नयी बनी सड़कें भी पहली बारिश में उखड़ क्यों जाती हैं? क्या ठेकेदारों-कर्मचारियों की मिलीभगत ने पूरी व्यवस्था को पंगु कर दिया है? गड्ढा युक्त सड़कों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की चिंता पर सरकार गौर क्यों नहीं कर रही है? क्या ऐसे ही प्रदेश में स्मार्ट सिटी का सपना साकार होगा?

एक ओर सरकार गांव और शहरों में बेहतर सड़कें बनाने के वादे करती है दूसरी ओर शहरों की सड़कों की हालत लगातार खस्ता होती जा रही है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक की सड़कें बदहाल हैं। पुराने लखनऊ से लेकर पॉश इलाकों तक की सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। यह स्थिति तब है जब हर साल राज्य सरकार करोड़ों रुपये सड़कों की मरम्मत और निर्माण के नाम पर खर्च करती है। गुणवत्ता का आलम यह है कि पहली ही बारिश में सड़क उखड़ जाती है और इसके दोबारा बनाने की नौबत आ जाती है। खस्ता हाल सड़कों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या ही नहीं बढ़ी है बल्कि जाम की समस्या में भी इजाफा हुआ है। शीर्ष अदालत भी सड़कों में बने गड्ढों के कारण होने वाले हादसे में बढ़ती मौतों की संख्या पर चिंता जाहिर कर चुका है और राज्य सरकारों को इसे दुरुस्त करने की हिदायत दे चुका है। बावजूद इसके हालत में सुधार नहीं हुए हैं। साफ है इनके निर्माण में जमकर धांधली और लापरवाही बरती जा रही है। मिलीभगत के चलते सड़कों को तकनीकी जांच में पास कर दिया जाता है और सड़क साल भर के अंदर खराब हो जाती है। निर्माण के नाम पर सड़कों पर पैच वर्क का काम जरूर होता है लेकिन यह पैच वर्क भी ऐसा होता है कि अगली बारिश झेल नहीं पाता है। वहीं बेतरतीब तरीके से पैच वर्क होने के कारण हादसे होने की आशंका बढ़ जाती है। जाहिर है यदि सरकार सड़कों को गड्ढा मुक्त और गुणवत्ता युक्त बनाना चाहती है तो उसे विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा साथ ही सड़कों की गुणवत्ता की जांच और निर्माण पर सतत निगरानी के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित करना होगा अन्यथा स्मार्ट सिटी बस सपना रह जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हरेक दल में आलाकमान की हनक

विजय विद्रोही

आलाकमान के खिलाफ बगावत, आलाकमान की चेतावनी, आलाकमान नाराज...। कुल मिलाकर आलाकमान शब्द पिछले कई दिनों से सुर्खियों में है। आलाकमान शब्द अंग्रेजी के हाई कमांड का पत्रकारिता की भाषा में किया गया अनुवाद है। हाई कमांड का मतलब सेना के सर्वोच्च अधिकारी से है, मतलब जो थल, वायु और नौसेना का कमांडिग अफसर हो। आला मतलब सबसे अच्छा और कमान यानी धनुष, तो क्या कहा जा सकता है कि आलाकमान वह होता है, जो सबसे अच्छा धनुर्धर हो और जिसके तरकश में ऐसे-ऐसे तीर हों कि दुश्मनों के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर दोस्तों के भी दिल छलनी किए जा सकें या अपना मतलब साधा जा सके या अपने कहे अनुसार चलने-करने को मजबूर किया जा सके? मतलब, आलाकमान ऐसा कोई शख्स या संगठन या व्यक्तियों का समूह होता है, जिससे उसके प्रभाव क्षेत्र में आने वाले डरते हैं, जो ठसक के साथ फैसले करता है; जिसका रौब, इकबाल, खौफ होता है; जिसकी हनक होती है। अब ऐसे शख्स या संगठन से जब सब डरते हैं, तो फिर राजस्थान के विधायकों में इतनी हिम्मत कहां से आ गई कि वे सीधे-सीधे आलाकमान से भिड़ गए?

वैसे हनक आलाकमान की भी बची रहे और राज्य के क्षत्रपों का सम्मान भी बना रहे, लगता है, इसका बेहतरीन उदाहरण सोनिया गांधी और अशोक गहलोत ने पेश करने की कोशिश की है। माफी मांगकर और शर्मिंदगी व्यक्त करके अशोक गहलोत ने आलाकमान की नाराजगी भी शायद दूर कर दी है और अपना मुख्यमंत्री पद भी फिलहाल सुरक्षित कर लिया है। इससे यह भी साफ हो गया है कि अगर आलाकमान के पास केंद्रीय सत्ता नहीं है, तो राज्यों पर बहुत ज्यादा दबाव डालने के बजाय बीच का रास्ता निकालना ही सही राजनीति है। अब आलाकमान के तरफदार दावा कर सकते हैं कि गहलोत को झुका दिया गया, तो वहीं दूसरी ओर, गहलोत खेमा भी यह कह सकता है कि मकसद हासिल हो गया। मकसद शायद यही था कि गहलोत मुख्यमंत्री बने रहें और सचिन पायलट थोड़ा इंतजार कर लें। अब आलाकमान के लिए जरूरी हो जाता है कि पायलट के लिए दिल्ली में कोई जगह तलाशे। इससे राजस्थान में कांग्रेस की कलह को वह पूरी तरह रोक सकेगा।

सियासत की नजर से देखा जाए, तो पहले सिर्फ कांग्रेस के लिए 'हाईकमान कल्चर' का इस्तेमाल होता था। अब सभी दलों का अपना-अपना हाईकमान है। कांग्रेस का हाईकमान अगर नेहरू-गांधी परिवार है, तो भाजपा का संघ परिवार।

हालांकि, अब भाजपा में हाईकमान नरेंद्र मोदी-अमित शाह की जोड़ी ही मानी जाती है। तृणमूल कांग्रेस की हाईकमान ममता बनर्जी हैं, तो बसपा की मायावती, बीजद के नवीन पटनायक। दक्षिण में तो द्रमुक से लेकर टीआरएस व वाईएसआर कांग्रेस तक, हर दल में एक मजबूत हाईकमान है। यहां तक कि एक वामपंथी पार्टी के आलाकमान मतलब पोलित ब्यूरो ने ज्योति बसु के प्रधानमंत्री बनने की संभावनाओं पर पानी फेर दिया था। बहरहाल, इन दिनों सबसे ब?ी मुसीबत से कांग्रेस हाईकमान गुजर रहा है। कहा जा रहा है, राजस्थान की घटना से एक बार फिर सिद्ध हो गया है कि कांग्रेस हाईकमान कमजोर पड़ गया है, लेकिन ध्यान रहे, इसी हाईकमान के कहने पर पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने गद्दी छोड़ी थी। इसी हाईकमान के कारण छत्तीसगढ़ में टी एस सिंहदेव मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ इक्का-दुक्का बयानों के अलावा कुछ नहीं बोल पाते हैं। कर्नाटक में शिव कुमार और सिद्धारमैया एक-दूसरे की परदे के पीछे आलोचना तो करते हैं, लेकिन आलाकमान का डर उन्हें तलवार म्यान से निकालने नहीं देता। गुलाम नबी आजाद भी आलाकमान का कुछ बिगा? नहीं पाए और मजबूरी में मैदान ही छो? गए। सवाल उठता है कि ऐसे में, राजस्थान के 90 विधायकों में इतनी हिम्मत कहां से आ गई? आलाकमान को आला संकट में क्यों डाल दिया? साफ है कि आलाकमान आला दर्जे का तभी होता है, जब केंद्र में उसकी सत्ता होती है। जब तक वह चुनाव जितवाता है, जब तक वह वोट दिलाने की क्षमता रखता है, जब तक वह चुनाव का खर्च उठाने का बीड़ा उठाता है, तब तक ही ठसक होती है। अगर हाईकमान चुनाव नहीं जितवा सकता, तो उसकी उपयोगिता भी कम हो जाती है। दुधारू गाय की लात भली, तो क्या हाईकमान का सबसे बड़ा सबक यही है। अगर आपके पास केंद्रीय सत्ता नहीं है, तो आपको राज्यों की सत्ता पर निर्भर रहना पड़ेगा और सियासी लात-घूंसे चलाने बंद कर देने चाहिए।

अब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को हिमाचल प्रदेश और अशोक गहलोत को गुजरात चुनावों का मुख्य पर्यवेक्षक किस वजह से बताया गया, इसे बताने की जरूरत नहीं है। भारतीय राजनीति में अक्सर यह आग्रह किया जाता है कि स्थानीय क्षत्रपों को भले ही आप सिर पर मत चढ़ाइए, लेकिन उन्हें अपनी अंगुलियों पर भी मत नचाइए।

क्यों लंबा खिंच सकता है यूक्रेन संकट?

मारूफ रजा

रूस के राष्ट्रपति पुतिन- 'स्केलेटिंग टू डि-स्केलेट' की रणनीति (तनाव बढ़ाकर उसे घटाने की रणनीति) के पुराने खिलाड़ी है। इसका अर्थ है कि वह परमाणु हमले की धमकी देकर युद्ध को लंबे समय तक खींचना चाहते हैं, ताकि उनकी रणनीतिक मंशा पूरी हो सके। इस युद्ध को लंबा खींचने के पीछे तीन प्रमुख कारण हो सकते हैं। पहला-यूक्रेनी प्रतिरोध को कम करना, ताकि वह तेजी से दोनेत्सक, लुहांस्क, मारियुपोल और खेरोसन के सीमावर्ती इलाकों को जनमत संग्रह के साथ अपने कब्जे में कर सकें। ये क्षेत्र रूस की सीमाओं की तरफ नाटो-यूरोपीय संघ के विस्तार के खिलाफ बफर जोन प्रदान करते हैं। दूसरा-यह युद्ध अमेरिका और नाटो की कायरता को दर्शाता है, चाहे कितने ही प्रतिबंध क्यों न लगाए हों। वास्तव में हाल के महीनों में रूस के औद्योगिक उत्पादन ने पश्चिमी विश्लेषकों को गलत साबित किया है। तीसरा-जब तक यह युद्ध जारी रहेगा, रूस अपने गैस भंडारों को बेचना जारी रख सकता है और भारी मुनाफा कमा सकता है, जिस पर यूरोपीय संघ ने अब तक कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। हालांकि अमेरिका भी रणनीतिक कारणों से इस संघर्ष को समाप्त करने की जल्दी में नहीं है।

बीच में यह उम्मीद बन रही थी कि रूस अब शांति की गुहार लगाएगा, जब यूक्रेन ने रूस पर जवाबी हमला किया था और खारकीव के आसपास उसे सफलता मिली थी। कुछ लोगों ने बताया था कि रूस ने अपनी सेना को पीछे हटने की अनुमति क्यों दी और क्या यह लौटना मॉस्को की किसी बड़ी युद्ध योजना का हिस्सा है? इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि रूसियों ने किसी अन्य युद्ध के लिए अपनी सेना को पुनर्गठित करने के लिए पीछे लौटाया है। यही कारण है कि पुतिन ने युद्ध के बाद करीब तीन लाख सेना को लामबंदी का आदेश दिया है। यूक्रेन पर हमले के शुरुआती दिनों से ही उनके रवैये में घमंड की बू आ रही थी, क्योंकि यूक्रेन को हराने की क्षमता पर उन्हें पूरा भरोसा था। लेकिन यूक्रेन ने अपनी सुरक्षा को नागरिकों एवं सैनिकों की लामबंदी से मजबूत किया, जिनकी संख्या यूक्रेन में मौजूद रूसी सेना से अधिक थी।

इसके अलावा एक लाख से अधिक अमेरिकी और नाटो सैनिक यूक्रेन में एवं रूसी सीमा पर विभिन्न रूप में तैनात किए गए। लेकिन नाटो के ठिकानों पर सौ परमाणु ग्रैविटी बमों की तैनाती की सूचना है, जिस पर रूस की नजर है और इसीलिए इस बात का खतरा है कि पुतिन जब अगले महीने यूरोप में भीषण सर्दियों की शुरुआत से पहले अपनी रणनीति को नवीनीकृत करेंगे, तब परमाणु हथियार का भी वह इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां परमाणु रणनीति की अनिवार्यता को समझना जरूरी है। सबसे पहली बात है कि परमाणु खतरे का इतिहास परमाणु हथियारों के गैर-उपयोग पर आधारित है। मात्र एक ही बार अगस्त, 1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर बिना किसी चेतावनी के परमाणु हमले हुए थे, जो विनाशकारी साबित हुए। इसने द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान को समर्पण करने के लिए मजबूर किया और जापान पर कब्जा करने की सोवियत योजनाओं की पुष्टि की। मास्को उसे भूला नहीं है।

दूसरा परमाणु हथियारों का उपयोग किसी भी परमाणु संपन्न देश के लिए पहला विकल्प नहीं हो सकता। यह अंतिम विकल्प होता है, जब उनका अस्तित्व एक राष्ट्र राज्य के रूप में दांव पर होता है। और परमाणु हमला जबावी कार्रवाई भी आमंत्रित करता है, जिसमें दोनों पक्षों को विनाश झेलना पड़ता है। इसी कारण कोई भी तानाशाह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने से बचता है। फिर भी यह आशंका बनी रहती है कि युद्ध में एक बड़े उलटफेर को रोकने के लिए छोटे परमाणु बमों का इस्तेमाल हो सकता है। लेकिन अमेरिका की धमकी भी रूस को रोकने में नाकाम है, क्योंकि अतीत में अमेरिका ने चेतावनियों के उल्लंघन के बाद भी अपनी धमकी पर अमल नहीं किया। इसलिए रूस के इतनी आसानी से झुकने की संभावना नहीं है। अपने संसाधनों के बूते रूस एक महाशक्ति है, तेल और गैस का सबसे बड़ा उत्पादक होने के नाते वह अमेरिका की तुलना में इस युद्ध को लंबे समय तक जारी रख सकता है। याद रहे, अमेरिका अफगानिस्तान में दो दशकों तक फंसा हुआ था।

अमेरिकी प्रतिबंधों को रूस के केंद्रीय बैंक ने तत्काल पूंजी नियंत्रण उपायों और ब्याज दरों में बढ़ोतरी करके कम किया। रूस कई बड़े उद्यमों का मालिक है, जो उसके सकल घरेलू उत्पाद का 60 फीसदी और एम-एसएमई उत्पादन का 25 फीसदी से अधिक है। यह असंतुलन विकास को बाधित करता है, लेकिन संकट में अर्थव्यवस्था को बचाता भी है। और रूसी अतीत में भी वित्तीय संकटों का सामना करते रहे हैं, पश्चिम के अनुमान से ज्यादा दिनों तक वे इस संकट को झेल सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पुतिन के हाथों में अब भी यूरोप को गैस आपूर्ति की चाबी है, और यूरोपीय संघ के इस दावे के बावजूद कि वे दिसंबर की शुरुआत तक गैस आपूर्ति संकट के लिए तैयार हो जाएंगे, रूस उन्हें कड़ाके की ठंड में मजा चखा सकता है। यूरोपीय देश जहां से भी गैस खरीद सकते हैं, खरीद रहे हैं। यहां तक कि चीन से भी, क्योंकि चीन अमेरिकी प्रतिबंध के दायरे में नहीं आता है। इसलिए बीजिंग रूस से गैस खरीदता है और उसे यूरोपीय देशों को बेचकर मुनाफा कमाता है, क्योंकि चीनी अर्थव्यवस्था में भारी मंदी चल रही है और चीन के पास अतिरिक्त गैस है। जानकारों के मुताबिक, जबसे प्रतिबंध लागू हुए हैं, रूस ने तेल और गैस की बिक्री से 175 अरब डॉलर की कमाई की है।

डायबिटीज से लेकर कोलेस्ट्रॉल तक कंट्रोल करती है लौकी

लौकी उन सब्जियों में शुमार है जिसको ज्यादातर लोग नापसंद करते हैं। इसका फीका स्वाद कम लोगों को ही भाता है। हालांकि इसके फायदे इतने हैं कि इसे जरूर डाइट में शामिल करना चाहिए। आइए जानें लौकी खाने से सेहत को किस तरह के फायदे पहुंचते हैं।

लौकी को भारत में कई नामों से जाना जाता है, कई लोग इसे घिया भी कहते हैं। यह एक ऐसी सब्जी भी है, जिसे ज्यादातर लोग खाना नहीं पसंद करते। खासतौर पर लौकी को देख बच्चे नाक सिकुड़ लेते हैं। इसके पीछे वजह है कि ज्यादातर लोग इसके फायदों के बारे में नहीं जानते। लौकी में 92 फीसदी पानी होता है, जो शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता। इसी के साथ यह सब्जी विटामिन-सी, विटामिन-के, कैल्शियम और फाइबर से भी भरपूर होती है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए अमृत समान है। लौकी में पाए जाने वाले पोषक तत्व ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने का काम करते हैं। इसके नियमित सेवन से वज़न घटाने, त्वचा की सेहत और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम किया जा सकता है। आइए जानें लौकी से होने वाले फायदों के बारे में...

याददाश्त को बूस्ट करने का काम करती है

लौकी में कोलीन की मात्रा काफी ज्यादा होती है, जो याददाश्त को बढ़ाने और तेज रखने का काम करता है। अगर आपको लगता है कि वक्त के साथ आपकी याददाश्त कमज़ोर हो रही है, तो लौकी का सेवन नियमित तौर पर शुरू कर दें। यह अल्ज़ाइमर में भी फायदेमंद हो सकती है।

इम्यूनिटी और डायबिटीज में लाभ

खाली पेट लौकी का सेवन करने से धमनी रोग, लिवर की समस्या और मधुमेह जैसी कई बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है। लौकी एंटीऑक्सीडेंट्स से भरी होती है, जिससे बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है। साथ ही यह शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ावा भी देती है।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

कई शोध से पता चलता है कि लौकी में पोटैशियम की मात्रा भी उच्च होती है, जो उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहे हैं। इसके साथ ही लौकी खाने से कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में रहता है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल ठीक रहेगा तो आपका दिल भी दुरुस्त रहेगा।

वजन घटाने में मददगार

लौकी फाइबर से भरपूर होती है, जिससे वज़न घटाने में मदद मिलती है। घिया अगर आपने खाने में खाया है, तो इससे लंबे समय तक आपका पेट भरा रहता है, जिससे आप कैलोरी खाने से भी बचते हैं। इसमें पानी की उच्च मात्रा शरीर को हाइड्रेट रखने का काम करती है। इसके नियमित सेवन से मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट किया जा सकता है।

हंसना मना है

लड़की अपने बॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई। गर्लफ्रेंड- मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आए। बॉयफ्रेंड- चल पगली। कुछ भी हो, मैं शादी तो तुमसे ही करूंगा। मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं।

कोच अपने छात्र से- मैं बैडमिंटन के बारे में सब कुछ जानता हूं। छात्र- सब कुछ? कोच- हां, विश्वास नहीं हो तो कुछ भी पूछ सकते हो। छात्र- बैडमिंटन नेट में कितने छेद होते हैं? कोच छात्र के चरणों में पड़ गया।

पड़ोसी- यार, तेरे घर से रोज हंसी की आवाज आती है। इस खुशहाल जिंदगी का क्या राज है? बब्लू - मेरी बीवी मुझे जूतों से मारती है, लग जाए तो वो हंसती है और ना लगे तो मैं हंसता हूं। जवाब सुनकर पड़ोसी की बोलती हो गई बंद!

वैलेंटाइन डे के 7 दिन पहले गिफ्ट शॉप पर वकील साहब गए..... उन्होंने 40 खूबसूरत कार्ड खरीदे और सब पर उन्होंने लिखा, हैलो माय डियर, पहचान गए ना? शाम को मिलो, आई लव यू दुकानदार- ये क्या मामला है? वकील साहब- पिछले वैलेंटाइन डे पर आस पास कॉलोनी में ऐसे ही 20 कार्ड भेजे थे। कुछ ही दिन में तलाक के चार केस मिल गए थे, इस बार 40 कार्ड भेज रहा हूं दुकानदार के उड़े होश!

कहानी | स्वभाव नहीं बदला जा सकता

किसी वन में एक सिंह अपनी पत्नीके साथ रहा करता था। एक बार सिंही ने दो पुत्रों को जन्म दिया। सिंह वन में जाकर भांति-भांति के पशुओं को मारकर अपनी पत्नी के लिए लाया करता था। किन्तु एक दिन की बात है कि दिन भर घूमने पर भी सिंह को कोई शिकार हाथ नहीं लगा। इसी निराशा में वह घर वापस आ रहा था कि मार्ग में उसको एक सियार का बच्चा मिल गया। सिंह ने उसे उठाया और जीवित अवस्था में ही घर लाकर उसको अपनी पत्नी को सौंप दिया। सिंही ने पूछा, आज भोजन के लिए कुछ नहीं मिला? नहीं, इसके अतिरिक्त कुछ मिला ही नहीं। इसको भी शिशु समझकर मैंने मारा नहीं। क्योंकि कहा गया है कि प्राण पर संकट आने पर भी बालक की हत्या नहीं करनी चाहिए। अब तुम तो भूखी हो इस समय इसका ही आहार कर लो। शेरनी बोली, जब बालक समझकर तुमने नहीं मारा तो मां होकर अपने पेट के लिए मैं इसकी हत्या क्यों करूं? प्राण जाने पर भी मनुष्य को किसी प्रकार का अकृत्य नहीं करना चाहिए। आज से यह मेरा तृतीय पुत्र है। उस दिन से उस सिंही ने उस सियार के शिशु को भी अपने शिशुओं की ही भांति अपना दूध पिलाना आरम्भ कर दिया। इस प्रकार वह सियार शिशु सिंह-शिशुओं के साथ आहार-विहार करता हुआ आनन्द से दिन बिताने लगा। कुछ दिनों बाद एक जंगली हाथी उस वन में भटकता हुआ आ निकला। उसको देखकर सिंह के दोनों शिशु उस पर क्रूद्ध होकर उसकी ओर दौड़ पड़े। उनको जाते देखकर उस सियार ने अपने सिंह भाइयों से कहा, यह तो हाथी है! हाथी सिंह-कुल का स्वाभाविक शत्रु होता है, उसकी ओर नहीं जाना चाहिए। यह कहकर वह घर की ओर भाग गया। उसको भागता देखकर सिंह-शिशु भी निरुत्साहित होकर घर को लौट आए। किसी ने ठीक ही कहा है कि यदि युद्धभूमि से एक भी कायर भागने लगता है तो शेष सेना का भी उत्साह क्षीण हो जाता है। घर पहुंचकर दोनों सिंह-शिशुओं ने सियार के हाथी को देखकर भाग आने की बात का उपहास किया। इससे सियार के बच्चे को क्रोध आ गया और उसने क्रोध में उनको भला-बुरा कहा। उसे क्रोधित देख, एकान्त में जाकर सिंही ने कहा, बेटे! वे दोनों तुम्हारे छोटे भाई हैं। तुम्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए। सियार का क्रोध शान्त नहीं हुआ। वह कहने लगा, मैं क्या इनसे कम हूं। मैं इनको अपमान का मजा चखाऊंगा। सिंही बोली, हां बेटे! तुम कहते तो ठीक हो। तुम वीर हो, तुम विद्वान हो और तुम दर्शनीय भी हो। किन्तु जिस कुल में तुम उत्पन्न हुए हो उस कुल में हाथी का शिकार नहीं किया जाता। अब तुमने क्रोध कर ही लिया है तो मैं तुम्हें बताती हूं। तुम सियार हो, मैंने तुम्हें अपना दूध पिलाकर पालन-पोषण किया है। मेरे ये दोनों शिशु जब तक यह नहीं जानते कि तुम सिंह नहीं सियार हो, तब तक ही तुम्हारी कुशल है। इसलिए अच्छा यही है कि तुम अभी चुपचाप यहां से खिसक जाओ, अन्यथा यदि किसी दिन इनको पता लग गया तो ये तुमको मारे बिना नहीं छोड़ेंगे। सिंही की बात सुनकर सियार का बच्चा भय से कांप उठा। वह चुपचाप वहां से खिसककर, किसी प्रकार अपनी जान बचा अपने जातियों में जाकर मिल गया। इसलिए कहते हैं अपनी जात-बिरादरी के साथ ही रहना चाहिए, क्योंकि हम अपने स्वभाव नहीं बदल सकते।

शिक्षा: जन्म से मिले हुए गुण संगत बदलने पर नहीं बदल सकते।

5 अंतर खोजें

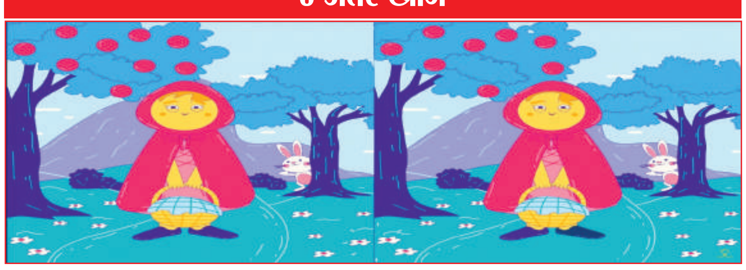

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफी सारी मांगें होंगी। किसी से विवाद और मतभेद हो सकते हैं। खर्चा और फालतू दौड़-भाग हो सकती है। धन हानि भी हो सकती है।

वृषभ: आज खास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे।

मिथुन: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप बड़ी से बड़ी समस्या का हल आसानी से निकाल लेंगे। आपका स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहेगा। कानूनी मसलों को हल करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

कर्क: आज कामकाज में आपका पूरा मन लगेगा। अगर किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो उसे आज समय से पहले ही पूरा कर लेंगे। इस राशि के लवमेट के लिए रिश्तों में मिठास भरने का दिन है।

सिंह: आज सुख-सुविधा पर खर्चा करने का मन बन सकता है। बैंक से जुड़े कार्यों में सतर्क रहें। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। सहजता और तेजी के साथ कई मुद्दों का सफलतापूर्वक समाधान करेंगे।

कन्या: केवल एक दिन को नजर में रखकर जीने की अपनी आदत पर काबू करें और जरूरत से ज्यादा वक्त व पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा दिन है।

तुला: आज आपकी वाणी की मिठास से आप इच्छित काम निकाल सकेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे जो आप के बने बनाये कार्य बिगाड़ सकते हैं। सूझ-बुझ से धनलाभ होगा।

वृश्चिक: जल्दबाजी में निवेश न करें अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुकसान हो सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है।

धनु: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक धन लाभ होगा। घर में खुशियों का आगमन होगा। आपकी व्यावहारिक प्रवृत्ति को देखकर लोग आपकी प्रशंसा करेंगे।

मकर: आपकी जी-तोड़ मेहनत और परिवार का सहयोग इच्छित परिणाम देने में कामयाब रहेंगे। लेकिन तरक्की की रफ्तार बरकरार रखने के लिए मेहनत इसी तरह जारी रखें।

कुम्भ: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा। आज काम के मामले में कोई बड़ी चुनौती भी आपके सामने आ सकती है।

मीन: आज किसी से जबरदस्ती अपनी बात मनवाने की कोशिश न करें। वैवाहिक जीवन अनुकूल होगा। पिछले कुछ दिनों से जो प्लानिंग आपके दिमाग में है उस पर काम शुरू न करें तो ही अच्छा है।

फिरंगियों से परेशान हैं श्वेता तिवारी

श्वेता तिवारी जिन्हें कई सालों तक सभी प्रेरणा के नाम से जानते रहे। जब भी काम किया तो दिल से काम किया। अपने काम से हमेशा वाहवाही लूटी। अपनी खूबसूरती और हाजिरजवाबी की वजह से जानी जाने वाली श्वेता तिवारी हमेशा से ही काफी लकी रही हैं। वो हमेशा ये कहती आई हैं कि उन्होंने लोगों के जैसे ज्यादा स्ट्रगल नहीं देखा। हमेशा अपने तलाकों को लेकर चर्चा में रहने वाली श्वेता तिवारी के लाइफ के कुछ खास पलों को जानते हैं। जब उन्होंने कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ना शुरू किया था।

एक इंटरव्यू के दौरान कई साल पहले श्वेता तिवारी से जब स्ट्रगल को लेकर सवाल किया गया तो वो कहती हैं कि लोग कहते हैं किन उनका दस साल का स्ट्रगल होता है और 2 साल का गोल्डन पीरियड, लेकिन मैं इस मामले में बहुत खुशनसीब रही हूं। मैंने दो महीने भी स्ट्रगल नहीं किया था कि तभी एकता कपूर ने मुझे किसी शो पर देखा और कसौटी जिंदगी के थमा दिया। एकता ही तीं जिनसे मैंने अपनी कंडीशंस पर काम करना सीखा। श्वेता तिवारी आते ही एक चमकता हुआ सितारा बन गईं। ऐसे में उनसे उनके पहले पे चेक के बारे में पूछा गया तो कहती हैं कि पहली बार हाथ में पांच लाख का चेक था हाथ में जितने जीरो देख मैं एक्साइटेड हो गई। मन किया कि इसे कभी खर्च ही ना करूं। दो दिनों तक अपने पास रखा। फिर उससे सबसे पहले मैंने एक सैंट्रो कार खरीदी थी। वो कार मेरी फेवरेट थी लेकिन बाद में नई कार आई तो उसे बेचना पड़ा।

श्वेता तिवारी हर बार अपने जवाब से हैरान करती हैं। उनसे जब दस साल बाद वो क्या करती हुई मिलेंगी इंटरव्यू में पूछा गया तो कहती हैं कि विदेशियों की इस हरकत से बहुत हैरान रहती हूं। हमेशा सोचती हूं कि ये इतना कैसे घूम लेते हैं। मेरी यही ख्वाहिश है कि जब मैं थोड़ी बूढ़ी हो जाऊं तो 6 महीने काम करुंगी और 6 महीने के लिए गायब किसी दूसरी कंट्री में जाकर छिप जाया करुंगी। आज से दस साल बाद आप मुझे ये करते हुए जरूर देखेंगे।

अक्षरा सिंह को इंडस्ट्री में नहीं मिल रहा काम!

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह पिछले कई दिनों से एमएमएस वीडियो को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। वीडियो लीक से बात से फिल्म निर्माता उन्हें साइन करने से कतरा रहे हैं। वहीं एक्ट्रेस ने दावा किया है कि वह वीडियो एक्ट्रेस का नहीं है। अक्षरा वीडियो को लेकर बयान भी दे चुकी है। लेकिन इसके बाद भी उनके करियर में कुछ खास बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। आज अक्षरा सिंह को फिल्में नहीं मिल रही हैं वहीं एक समय था जब वह पवन सिंह और खेसारी लाल यादव के संग फिल्मों में नजर आती थी। इस वजह से नहीं मिल रहा है काम अक्षरा सिंह को इन दिनों फिल्मों में काम नहीं मिल रहा है। कहा जा रहा है कि एमएमएस लीक के बाद से ही उन्हें फिल्में नहीं मिल रही हैं। सुत्रों के अनुसार अक्षरा सिंह को कोई फिल्म निर्मात फिल्म के लिए अप्रोच करता है तो वह अपनी मां नीलिमा सिंह और पिता बिपिन सिंह को भी फिल्म में साइन करने के लिए कहती हैं। जिसकी वजह से फिल्म निर्माता उनको साइन करने से किनारा कर रहे हैं। बता दें कि अक्षरा के माता-पिता भोजपुरी सिनेमा में काम करते हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के करियर की बात करें तो वह कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

श्रद्धा कपूर ने फिल्मों में एक्ट्रेस के लीड रोल पर किया खुलासा

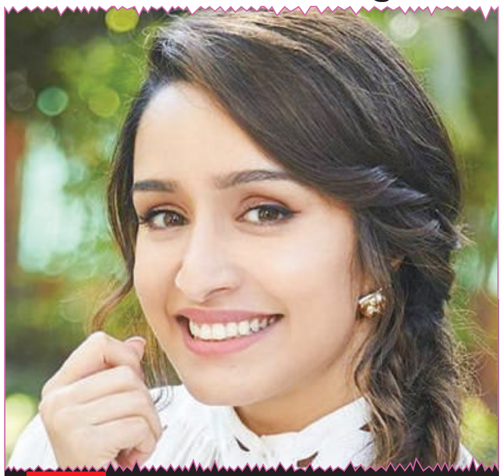

अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। तीन पत्ती फिल्म से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाली श्रद्धा कपूर इन दिनों पर्दे से दूर हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाएं के काम और कद को लेकर बात की है। उन्होंने फिल्म की तारीफ करते हुए कहा कि लोग महिला महिलाओं के किरदार को देखना पसंद करते हैं। आइए जानते हैं श्रद्धा कपूर ने क्या कहा है। श्रद्धा कपूर अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने फीमेल लीड रोल पर अपनी राय रखी है। एक इंटरव्यू में श्रद्धा कपूर ने कहा है कि- जब मैंने अपना करियर शुरू किया था तब से लेकर अब तक काफी चीजों में काफी बदलाव आ चुका है। अब लोग महिला लीड रोल को पॉजिटिव नजरिए देखते हैं। अब लोग एक्ट्रेस की फिल्म देखना पसंद करते हैं उनको बढ़ावा भी देते हैं। कहू तो मौजूदा समय में महिला कलाकरों के लिए काफी अच्छा समय चल रहा है। श्रद्धा कपूर पिछले काफी समय से पर्दे से गायब हैं। तो बात दें कि एक्ट्रेस जल्द ही पर्दे पर कमबैक करते हुए नजर आएंगी। श्रद्धा कपूर जल्द ही डायरेक्टर लव रंजन की फिल्म से कमबैक करेंगी। श्रद्धा कपूर अपने करियर में आशिकी 2, एबीसीडी 2 और एक विलेन में काम कर चुकी हैं। श्रद्धा कपूर के पिता शक्ति कपूर एक इंटरव्यू में बेटी की तारीफ कर चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि श्रद्धा कपूर ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पहचान अपनी एक्टिंग से बनाई है।

पिछले कई सालों से नौकरी कर रहा है ये बाज, करना पड़ता है ये काम

आमतौर पर हर इंसान को नौकरी करनी पड़ती है लेकिन वहीं दूसरी ओर कोई जानवर या पक्षी की नौकरी करने की बात अगर कही जाए तो शायद किसी को यकीन ही नहीं होगा। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे बाज के बारे में बताने जा रहे हैं जो नौकरी करता है, यही नहीं ये बाद पिछले कई साल से नौकरी कर रहा है। इस बाज को एक बेहद ही अहम काम दिया गया है। दरअसल, ये बाज विंबलडन प्रतियोगिता में बहुत अहम जिम्मेदारी निभाता है। अब आप सोच रहे होंगे कि भला किसी बाज का विंबलडन प्रतियोगिता में काम का होगा। तो चलिए हम आपको बताते हैं ये बाज क्या काम करता है। विंबलडन प्रतियोगिता दुनिया की सबसे पुरानी टेनिस टूर्नामेंट है, जिसे एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के रूप में जाना जाता है। इंग्लैंड की राजधानी लंदन में इंग्लैंड क्लब की ओर से यह प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। ये एक ऐसी एकमात्र प्रतियोगिता है जिसे आज भी खेल की मूल सतह यानी घास पर खेला जाता है। टेनिस कोट की घास को कबूतर नुकसान पहुंचाते थे। ऐसे में रूफस नामक के एक बाज को इस बात की जिम्मेदारी दी गई कि वह टेनिस कोट की घास को नुकसान पहुंचाने वाले कबूतरों को वहां से भगाए। ये बाज हैरिस प्रजाति का है जिसका नाम रूफस है, रूफस बाज को विंबलडन के आयोजक आल इंग्लैंड क्लब ने यहां पर तैनात किया है। जानकारी के मुताबिक रूफस बाज केवल 16 हफ्ते का था जब इसने इस जगह की देखभाल करना शुरू किया था। इस बाज की देखभाल करने वाली इमोजेन डेविस के मुताबिक, रूफस रोज सुबह पांच से नौ बजे तक की ड्यूटी करता है और रूफस बाज के रहते इस जगह पर दूर-दूर तक कबूतर नजर नहीं आते। बता दें कि रूफस बाज के शरीर पर एक रेडियो ट्रांसमीटर लगाया गया है, जिसके जरिये इसकी लोकेशन के बारे में पता लगाया जाता है। इस बाज का साल 2012 में एक ट्विटर अकाउंट भी बनाया गया था जिसे कई हजार लोग फॉलो करते हैं।

अजब-गजब | इस गांव के बारे में जानकर रह जाएंगे दंग

ये है दुनिया का सबसे अद्भुत गांव जहां कभी रहा करते थे सिर्फ बौने

पूरी दुनिया में इतने रहस्य मौजूद हैं जिनके बारे में इंसान आज तक नहीं जान पाया। आज आपको एक ऐसे ही रहस्य से रूबरू कराने जा रहे हैं जो एक गांव से जुड़ा हुआ है। क्योंकि इस गांव में कभी सिर्फ बौने ही रहा करते थे। ये अद्भुत गांव ईरान में मौजूद है। बता दें कि इस गांव में अब बौने नहीं रहते लेकिन सैकड़ों साल पहले यहां सिर्फ बौने ही रहा करते थे।

बता दें कि ईरान के माखुनिक गांव में करीब डेढ़ सौ साल पहले सिर्फ बौने लोग ही रहा करते थे। ये गांव ईरान-अफगानिस्तान की सीमा से करीब 75 किलोमीटर दूर स्थित है। ऐसा कहा जाता है की मौजूदा समय में ईरान के लोगों की जितनी औसत लंबाई है, इन बौनों की लंबाई उनसे भी करीब 50 सेंटीमीटर कम थी। साल 2005 में खुदाई के दौरान इस गांव से एक ममी मिली थी जिसकी लंबाई सिर्फ 25 सेंटीमीटर थी। इस ममी के मिलने के बाद जांच से ये पता लग पाया कि इस गांव में बेहद कम लंबाई वाले लोग रहा करते थे। जानकारों के मुताबिक गांव में मिली ममी समय से पहले पैदा हुए किसी बच्चे की भी हो सकती थी। जिसकी करीब 400 साल पहले मृत्यु हुई होगी। वे लोग इस बात पर यकीन नहीं करते कि इस गांव के लोग बौने होंगे। माखुनिक नामक यह गांव ईरान के दूरदराज का एक सूखा इलाका है। इस जगह पर कुछ अनाज, शलजम, बेर, कजूर और जाऊ की खेती हुआ करती थी। यहां रहने वाले लोग पूरी तरह से शाकाहारी थे। शरीर के विकास के लिए जिन पौष्टिक आहारों की जरुरत होती है वो यहां रहने वाले लोगों को नहीं मिल पाते थे। इसी कारण यहां के लोगों का शारीरिक विकास पूरी तरह से नहीं हो पाता था। बताया जाता है कि माखुनिक गांव ईरान की बड़ी आबादी वाले इलाकों से बिलकुल कटा हुआ था। क्योंकि गांव तक पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं थी। 20 वीं सदी के समय में जब इस इलाके में सड़कें बनाई गई तो लोग यहां पहुंचने लगे। उसके बाद इस गांव के बारे में पता चला यहां के लोग शहरों में काम के ले जाने लगे। यहां के लोग काम के बदले में चावल और मुर्गे अपने गांव लेकर आते थे। जिसके बाद से यहां के लोगों के खाने-पीने में बदलाव शुरु हो गया, जिससे गांव के करीब 700 लोगों की लंबाई औसत हो गई। इस गांव में आज भी पुराने जमाने के तमाम घर मौजूद हैं। जिनसे पता चलता है कि यहां के लोगों की लंबाई काफी कम थी। माखुनिक गांव में करीब दो सौ घर है, जिनमें से 70 से 80 ऐसे घर है जिनकी ऊंचाई बहुत कम है। ये घर केवल डेढ़ से दो मीटर ऊंचाई वाले हैं। इनकी 1 मीटर और 4 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर बनी छत को देखकर ये बात साफ हो जाती है कि यहां सिर्फ बौने लोग ही रहा करते थे।

सिंदूर खेला के साथ देवी दुर्गा की विदाई, धू-धू कर जला रावण

फोटो: सुमित कुमार

» ऐशबाग में अधर्म के प्रतीक रावण का दहन किया गया पुतला

» देवी प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर राजधानी में सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा को विदाई दी गयी तो दूसरी ओर दशहरा के मौके पर ऐशबाग में अधर्म के प्रतीक रावण का पुतला दहन किया गया। बारिश के बावजूद रावण दहन देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी रही। लोगों ने भगवान राम के जयकारे लगाए।

ऐशबाग में देर रात पूर्व उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने रावण के 70 फीट ऊंचे पुतले का दहन किया। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्य के प्रतीक मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने असत्य पर विजय पताका लहरा कर यह बता दिया है कि सत्य की हमेशा जीत होती है। इसके अलावा राजधानी के विभिन्न स्थानों पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। इसके पहले राजधानी में महिलाओं ने आपस में सिंदूर की होली (सिंदूर खेला) खेलकर मां दुर्गा को विदा किया। इसके बाद देवी प्रतिमाओं को विसर्जित किया गया।

महिला सांसद पर टिप्पणी को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग सख्त

» छत्तीसगढ़ के मंत्री से मांगा स्पष्टीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने छत्तीसगढ़ में भाजपा की एक महिला सांसद के बारे में 'अनुचित' टिप्पणी को लेकर राज्य के गृह मंत्री से स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही उनसे माफी मांगने को कहा है। राज्य सभा सांसद सरोज पांडेय ने छत्तीसगढ़ की सड़कों की जर्जर स्थिति का मुद्दा उठाया था और वीडियो बनाया था। इसके बाद गृह और लोक निर्माण विभाग के मंत्री ताम्रध्वज साहू ने पांडेय के 'रूप' को लेकर टिप्पणी की थी।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने ट्वीट में कहा कि आयोग ने मामले का संज्ञान लिया है। अध्यक्ष रेखा शर्मा ने छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री को अनुचित टिप्पणी के लिए लिखित स्पष्टीकरण देने के लिए लिखा है। साथ ही टिप्पणी के लिए माफी मांगने को भी कहा है। छत्तीसगढ़ भाजपा के ट्विटर हैंडल से पांडेय का एक वीडियो साझा किया था जिसमें वह अकलतारा विधान सभा क्षेत्र में एक सड़क पर गड्ढे दिखाते हुए सीएम भूपेश बघेल और मंत्री साहू की आलोचना की थी। साहू से जब सवाल किया गया तब उन्होंने कहा कि यह रोड खराब है कहकर सरोज पांडेय ने विगत दिनों एक गड्ढे में रोड में 'चार्मिंग फेस' डलवाई थी।'

सिसोदिया का उपराज्यपाल पर हमला, बोले

आपको नहीं दिख रहा भाजपा का भ्रष्टाचार

» एमसीडी पर लगाया घोटाले का आरोप, सीबीआई जांच की उठाई मांग

» उपराज्यपाल को पत्र लिखकर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को बुधवार को दिल्ली नगर निगम में छह हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच कराने के लिए पत्र लिखा है। मंगलवार को दिल्ली सरकार की मुफ्त बिजली योजना में कथित अनियमितता के खिलाफ एलजी के जांच के आदेश के बाद दिल्ली सरकार और एलजी के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है।

सिसोदिया ने एलजी को पत्र में लिखा कि आपका ध्यान एक बार फिर दिल्ली नगर निगम में भाजपा के शासन के दौरान हुए उस घोटाले की ओर दिलाना चाहता हूं जिसकी वजह से एमसीडी को करीब 6 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि मैंने दो महीने पहले आपसे इस मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी लेकिन मुझे यह देखकर बहुत दुख हो रहा है कि आपने भाजपा शासन में हुए इतने बड़े घोटाले पर सीबीआई जांच तो दूर मेरे द्वारा लिखे गए पत्र की स्वीकृति तक देना उचित नहीं समझा। सिसोदिया ने एलजी को पत्र लिखकर एमसीडी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि एमसीडी द्वारा जिन कंपनियों को टोल टैक्स वसूलने का जिम्मा दिया गया था। उन्होंने तय फीस भी एमसीडी को नहीं दी बल्कि एमसीडी ने उन्हें कोरोना काल में छूट तक दे डाली। इससे एमसीडी को 6000 करोड़ का नुकसान हुआ है। इस संबंध में एलजी को अगस्त में पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की थी। बुधवार को फिर से इस मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए एलजी को पत्र लिखा। सिसोदिया ने एलजी को पत्र में लिखा कि आपको शायद इतने तथ्य सामने होने के बावजूद इसमें भ्रष्टाचार दिखाई नहीं पड़ रहा है क्योंकि वह भ्रष्टाचार भाजपा ने किया है।

हमें भाजपा से हिंदुत्व सीखने की जरूरत नहीं: उद्धव

» एकनाथ शिंदे पर लगाया धोखा देने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवाजी पार्क में आयोजित रैली में उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमें भाजपा से हिंदुत्व सीखने की जरूरत नहीं है। उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी प्रहार करते हुए कहा कि समय के साथ रावण भी बदल रहा है। इस बार का रावण खोखासुर और धोखासुर है।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने जब पीठ पर वार किया, तो उसे सबक सिखाने के लिए हमने महाविकास आघाड़ी का गठन किया। मैं शिवाजी महाराज को साक्षी मानकर अपने माता-पिता की शपथ लेकर कह रहा हूं कि अमित शाह ने ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री पद बांटने का वायदा किया था। लोग कहते हैं कि मैंने हिंदुत्व छोड़ दिया है। हमें भाजपा से हिंदुत्व सीखने की जरूरत नहीं है। पाकिस्तान जाकर जिन्ना की कब्र पर मत्था टेकनेवालों और नवाज शरीफ के यहां केक खानेवालों से हमें हिंदुत्व सीखने की जरूरत नहीं है।

अब विधायकों से संपर्क साध रहे पायलट

सोनिया गांधी के फैसले पर लगी हैं निगाहें

» राजस्थान में सीएम के नाम पर होना है फैसला

» सियासी गलियारों में कयासों का दौर

गीताश्री

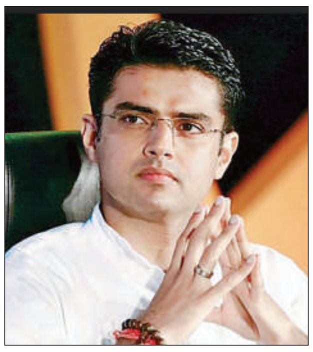

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस के नेताओं की आपसी खींचतान लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं सचिन पायलट विधायकों से संपर्क साधने में जुटे हैं। उम्मीद है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी मुख्यमंत्री को लेकर अगले कुछ दिनों में फैसला कर सकती हैं। सोनिया, सीएम पद पर अशोक गहलोत को बरकरार रखेंगी या फिर सचिन पायलट को नया मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। इसको लेकर कांग्रेस के नेताओं में कयासों का दौर जारी है।

सीएम को लेकर चल रही असमंजस की स्थिति को देखते हुए सरकारी अधिकारियों ने भी काम करना लगभग बंद कर दिया है। नये फैसले नहीं लिए जा रहे हैं। इस बीच पायलट विधायकों से संपर्क साधने में जुटे हैं। पायलट ने कई विधायकों से मुलाकात की है। गहलोत खेमे के नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से तो पायलट घर जाकर मिले। पायलट के विश्वस्त नेता और विधायक गहलोत खेमे के विधायकों से संपर्क साध रहे हैं। पायलट खेमे की कोशिश अपने विधायकों की संख्या बढ़ाना है। अगले कुछ दिनों में एक बार फिर विधायक दल की बैठक बुलाकर सीएम का फैसले पर एक लाइन का प्रस्ताव पारित करवाया जाएगा । ऐसे में पायलट खेमे का सोच है कि यदि आलाकमान की ओर से भेजे जाने वाले पर्यवेक्षक विधायकों से अलग-अलग मिलकर राय लेते हैं तो उनका पक्ष लेने वालों की संख्या ज्यादा हो ताकि इसका फायदा मिल सके।

कांग्रेस में हो रही है नौटंकी: अरुण

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस में नौटंकी हो रही है। यह नौटंकी प्रदेश की जनता पिछले दो साल से देख रही है। हालात यह है कि पूरे मामले को लेकर कांग्रेस के विधायकों ने इस्तीफे देने की नौटंकी की लेकिन विधान सभा अध्यक्ष डॉ.सी.पी.जोशी इन इस्तीफों को लेकर कोई निर्णय नहीं कर रहे हैं। जोशी या तो इस्तीफे स्वीकार या अस्वीकार करने को लेकर निर्णय लें। यदि वह इस्तीफों को रखकर बैठते हैं तो निश्चित तौर पर विधान सभा अध्यक्ष पर प्रश्नचिन्ह लगता है कि क्या वो पार्टी बनकर कांग्रेस को फायदा पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

फिर आग लगायी संगीत सोम ने कोई काबू क्यों नहीं करता इनको!

पहले भी हिंदुओं को भड़काने के लिए आग उगलते रहते हैं सोम

भड़काऊ बयानों को लेकर पहले भी दर्ज हुए हैं कई मुकदमे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के फायर ब्रांड नेता व पूर्व विधायक संगीत सोम ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है, जिसका वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल है। पूर्व विधायक ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा है कि एक वर्ग विशेष की लगातार आबादी बढ़ती जा रही है, आतंक बढ़ता जा रहा है, लोगों को टारगेट किया जा रहा है, सिर तन से जुदा का नारा दिया जा रहा है, ऐसे में राजपूत समाज को एक बार फिर से शस्त्र उठाना पड़ेगा। तब कोई इस तरह की बातें नहीं कर पाएगा।

दरअसल, पूर्व विधायक संगीत सोम ने मुस्लिम समाज को लेकर यह बयान दिया है, जिसकी चौतरफा चर्चा हो रही है। एक तरफ जहां फायर ब्रांड हिंदू नेता के रूप में उनकी छवि लगातार मजबूत होती जा रही है वहीं विपक्षी दलों ने एक बार फिर संगीत सोम की आड़ में बीजेपी को निशाने पर लिया है। विजयदशमी पर राजपूत उत्थान सभा के शस्त्र पूजन कार्यक्रम के दौरान बीजेपी के पूर्व विधायक संगीत सोम ने कहा कि आने वाले समय में राजपूत को फिर से शस्त्र उठाना होगा। सोम ने कहा कि लोग डरते हैं। अपनी परंपरा भूलते जा रहे हैं, जिसकी वजह से शस्त्रों की पूजन नहीं करते। सोम ने कहा कि आने वाला समय एक बार फिर राजपूतों का होगा।

अपने इन्हीं बयानों के चलते पश्चिमी यूपी में बन गए हिंदुत्व का बड़ा चेहरा

सार्वजनिक मंच से समाज की बुराई नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मंच से सिर्फ समाज की अच्छाई बतानी चाहिए। समाज के अंदर की बुराई घर के अंदर बैठकर करनी चाहिए। युवा पीढ़ी में जो भटकाव देखने को मिल रहा है, उसे रोकना होगा। कांग्रेस की यात्रा पर कटाक्ष करते हुए संगीत सोम ने कहा कि यात्रा केरल में निकल रही है। वहां झंडे देखिए कैसे लगाए जा रहे हैं। हरा ही हरा दिखाई दे रहा है। राष्ट्रीय झंडा दिखाई नहीं दे रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वह दिन दूर नहीं जब यहां भी हरा हरा झंडा दिखाई देगा। साल 2013 में संगीत सोम पर मुजफ्फरनगर में विवादित बयान देने के बाद दंगा भड़क गया था, जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था।

राजभर मेरे स्थायी मित्र : पाठक

कांग्रेस और राहुल गांधी को पूरी तरह नकार चुकी देश की जनता

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी से अलग होने के बाद ओमप्रकाश राजभर की भाजपा से नजदीकियों की खबरों के बीच प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपना स्थायी मित्र करार दिया है। हालांकि 2024 के चुनाव में साथ आने के सवाल को उन्होंने यह कहते हुए टाल दिया कि 'अब राजनीति के बात काहें पूछत हउव'।

सुभासपा के प्रदेश महासचिव शिवेंद्र बहादुर सिंह के मेडिकल कॉलेज व रिसर्च सेंटर का उद्घाटन करने रसड़ा पहुंचे बृजेश पाठक ने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। कहा कि उनके पास न तो कोई नीति है और न ही एजेंडा। उनका लोकतंत्र में भरोसा नहीं है। कई बार सत्ता को उन्होंने कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया है। पूरी पार्टी एक परिवार की गिरवी बन गयी है। हालत यह है कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं खोज पा रहे हैं। देश की जनता कांग्रेस और राहुल गांधी को पूरी तरह नकार चुकी है। भविष्य में उनका और बुरा हश्र होने वाला है। सुभासपा नेता ओमप्रकाश राजभर के साथ मंच साझा करने के सवाल पर बृजेश पाठक ने कहा कि ओमप्रकाश जी मेरे स्थायी मित्र है और इस पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है। हालांकि 2024 में साथ आने के सवाल को यह कहते हुए हंसकर टाल दिया। वहीं फिल्म आदिपुरुष को लेकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि हिंदू सभ्यता और भारत की संस्कृति में भगवान राम जन-जन में बसे हुए हैं। उनका अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पाठक ने कहा कि लगातार हमारी संस्कृति को नष्ट करने और बदलने का प्रयास हो रहा है। हमारी संस्कृति और विरासत पर हमें गर्व है।

कर्नाटक में भी योगी मॉडल!

मदरसों का सर्वे कराएगी बोम्मई की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कर्नाटक शिक्षा विभाग के द्वारा इस महीने राज्य के सभी मदरसों का सर्वेक्षण करने की संभावना है। इस मामले से परिचित एक अधिकारी ने बताया कि सर्वे यह सत्यापित करने के लिए कराया जाएगा कि इन संस्थानों में जाने वाले बच्चे शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अनुसार शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। आपको बता दें कि पिछले महीने उत्तर प्रदेश सरकार ने इसी तरह का एक आदेश दिया था।

मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली सरकार ने शिक्षा विभाग को राज्य के सभी 960 मदरसों में गतिविधियों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों में से एक ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा कि सर्वेक्षण करने के लिए शिक्षा विभाग के आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। कमेटी अक्टूबर में ही सर्वे का काम शुरू कर देगी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट जमा करने के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है। जैसे ही निरीक्षण पूरा होगा हम इसे जमा कर देंगे। अधिकारियों के अनुसार शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने 23 अगस्त इसको लेकर एक दिशा-निर्देश जारी किया था। मदरसों में जाने वाले छात्रों को प्रदान की जाने वाली औपचारिक शिक्षा के संबंध में विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया था।

भाकियू 26 नवंबर को लखनऊ में करेगी महापंचायत

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन ने 26 नवंबर को लखनऊ में महापंचायत करने का एलान कर दिया है। दरअसल कृषि कानूनों के विरोध में इसी तारीख को दिल्ली में किसानों ने आंदोलन शुरू किया था। उसी की याद दिलाने के लिए किसान यहां महापंचायत करेंगे।

भाकियू के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बताया कि किसानों के मुद्दे अभी जस के तस हैं। किसानों की जमीन कब्जाने की साजिशें हो रही हैं। सरकार कभी खेतों में कटीले तार लगाने पर प्रतिबंध लगाती है तो कभी ट्रैक्टर ट्राली पर। ट्रैक्टर ट्राली तो किसानों की पहचान है। ये प्रतिबंध नहीं चलेंगे। उन्होंने कहा कि विभिन्न मुद्दों को लेकर 26 नवंबर को लखनऊ में राजभवन पर महापंचायत होगी। किसान इसकी तैयारी अभी से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चाहे किसानों का गन्ना बकाया का भुगतान हो या फिर बिजली की आपूर्ति, किसान अपनी आवाज उठाएंगे। एमएसपी पर गारंटी जैसे मुद्दे किसान छोड़ने वाले नहीं हैं।

राज्य से बाहर पार्टी का विस्तार करने के लिए देश यात्रा पर निकलेंगे चंद्रशेखर

» तेलंगाना राष्ट्र समिति बनी भारत राष्ट्र समिति

4पीएम न्यूज नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना से बाहर पार्टी का विस्तार करने की महत्वाकांक्षा के तहत प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने अपना नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) कर लिया। पार्टी की आम सभा में इस संबंध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। आंध्र प्रदेश को विभाजित कर अलग तेलंगाना राज्य के गठन की मांग के साथ लगभग दो दशक पहले टीआरएस का गठन किया गया था। अब उसका लक्ष्य भाजपा को टक्कर देना और समान विचारधारा वाले दलों को साथ लाकर राष्ट्रीय ताकत के रूप में उभरना है।

जेडीएस के नेता एचडी कुमारस्वामी और तमिलनाडु की वीसीके पार्टी के नेता व सांसद टी. तिरुमावालावन की उपस्थिति में टीआरएस के अध्यक्ष व तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पार्टी का नाम बदलने का प्रस्ताव पेश किया और बैठक में इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। राव की घोषणा का पार्टी के पदाधिकारियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। इस दौरान केसीआर जिंदाबाद, टीआरएस जिंदाबाद, देश का नेता केसीआर, प्रिय भारत वह आ रहा है, केसीआर रास्ते में है... जैसे नारे भी लगाए गए। इस मौके पर राव ने कहा कि पार्टी की गतिविधियों का देशभर में विस्तार करने के लिए नाम में परिवर्तन किया गया है और इसके अनुसार पार्टी के संविधान में भी बदलाव किया गया है। उन्होंने एलान किया कि अब वह देश की यात्रा पर निकलेंगे।

सूत्रों का कहना है कि नियमों के मुताबिक पार्टी के नाम में बदलाव की सूचना निर्वाचन आयोग को दे दी जाएगी। बता दें कि टीआरएस ने नाम में परिवर्तन ऐसे समय किया है जब अगले साल राज्य में विधानसभा और 2024 में लोकसभा के चुनाव होने हैं। उधर इस मामले पर एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने ट्वीट कर कहा, पार्टी को नई शुरुआत करने के लिए मेरी शुभकामनाएं।

फोटो: 4पीएम

बारिश का दौर जारी, कल भी अलर्ट

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। यूपी के कई शहरों में बीते 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव के क्षेत्र का असर उत्तर प्रदेश सहित उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में देखने को मिल रहा है। पूर्वांचल और राजधानी लखनऊ में कल सुबह बादल छाने शुरू हुए और इसके बाद बारिश शुरू हो गई। तब से लगातार बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आज और कल भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वितीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।